

LVII.

Ô̂ | ĀN | KŌ̄ | RĔ̄ | krŭ̄ | ē̄ | l', | ô̂ | kĭ̄ | tĕ̄ | tiēns | fiē̄ | rĕ̄ | dĕ̄ | dān | lĕ̄ | kĕr̄,
P̄x̄ | lĕ- | dons | de | Vē̄ | nus | vēin | s ē̄ | fl̄x̄ | è̄ | dont | tu | t'a | noor | kĕ̄ | tis :
Kant | l'oor | kĕ̄ | kĭ̄ | se | nī̄ | d' | an | sē̄ | te | flē | r, | ò̄ | re | n̄x̄ | veō | ka | tard |
Dĕ- | beō | tēs | ke | tu | as, | s'an | vo | le | ra | t̄s̄ | su | bi | t | an | pa | né̄ :
5 | Kant | sĕ- | beō | s ē̄ | kla | tans | d'oor | dē̄ | lī | é̄, | tant | de | zi | rés | lī | é̄ns |
Sur | ton | doos | vo | le | tan | s, | ē̄ | ki | j̄x̄ | ans | pan | de | t ē̄ | par | pi | lēs,
Ar | jan | tēs | s ē̄ | che | nus | dē̄ | ra | si | nēs | tun | bē̄ | r | i | ron | t, | A | loors |
Ton | téin- | fr̄s̄, | ki | é̄ | fas | s' | ō̄ | re | le | vĕ̄ | r | mĕ̄ | de | la | rô̄ | z' | é̄ | téint,
Un | vi | za | je | ri | dé̄ | lĕ̄ | d ē̄ | hi | des | moor | ne | te | lĕ̄ | sē̄ | ra :
10 | La | s ! | a | loors | te | vo | ian | t | ô̂ | tre | du | t̄t | dan | le | mi | rō | r | hā | i,
La | s ! | a | loors | te | mi | ran | t | an | se | re | k̄rĕ̄ | tu | te | re | pan | ti | ras.
Mĕ̄ | kant | je | ne | j'ē̄ | tō̄ | loors | ke | n'a | vō | - | j' | un | si | b̄x̄ | tant | de | zir,
Ŕ̄ | p̄x̄ | kō | ne | re | t̄r̄ | n' | an | se | de | zir | sĕ̄ | le | vi | k̄er | d'a | loors ?
Las ! | K'on | pĕ̄ | rd | fo | le | mant | dō̂ | ze | k'a | p̄rĕ̄ | s | on | ne | re | k̄x̄ | vre | plus.